MOTHER THERESA COLLEGE

NELLIKAD,THIRUVANANTHAPURAM

NAAC ACCREDITED WITH B+ GRADE

KSHITHIJ

HINDI MANUSCRIPT MAGAZINE

DEPARTMENT OF HINDI AND COLLEGE LIBRARY

अनुक्रम

- प्राचार्य का संदेश (Principal's Message)
- पूर्व प्राचार्य का संदेश (Former Principal's Message)
- 'क्षितिज' - लेखन का आलोक
- समन्वयक का संदेश (Coordinator's message)
- लाइब्रेरियन का संदेश (Librarian's message)
- छात्र संपादक

लेख

1. मेरा सपना 1 - 3
2. यादें 4 - 5
3. बसंत ऋतु 6 - 7
4. समय 8 - 9
5. जज का पहरा 10 - 12
6. कल्पना यात्रा 13 - 14
7. प्रकृति 15 - 16
8. प्रिय मित्र 17 - 18
9. लिपटा हुआ दर्पण 19 - 20

10. मेरा भारत 21 - 22
11. मेरा साथी 23 - 24
12. खो गया 25 - 26
13. अनकहा सच 27 - 29
14. सपने देखनेवाली 30 - 31
15. दोस्ती 32 - 33
16. नदियों की दुनिया 34 - 35
17. समय वर्ष 36 - 37
18. हेलन केल्लर 38 - 40
19. नाचने केलिए इजाजत नहीं चाहिए 41 - 42
20. संसार से नफरत 43 - 45
21. एक 46 - 47
22. जीवन यात्रा 48 - 49

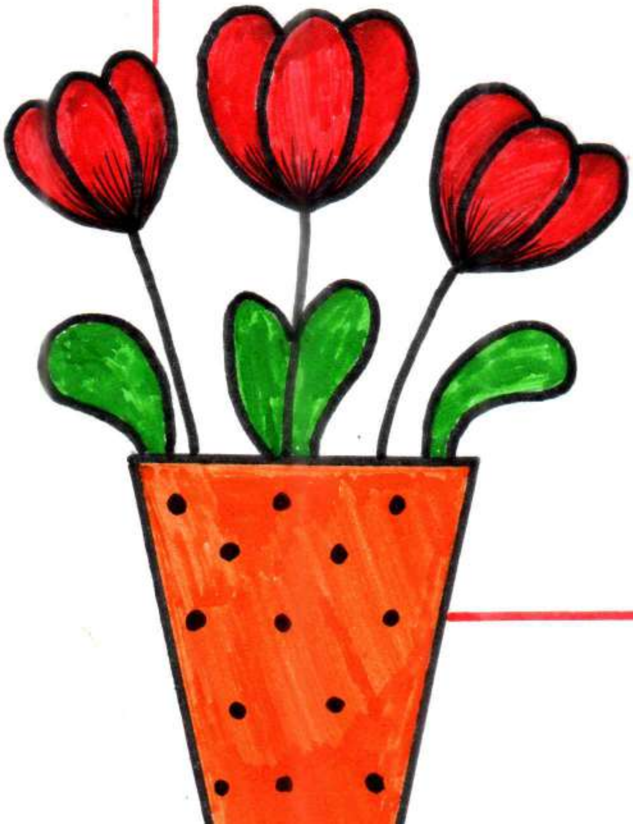

Principal's Message

It is gladdening to note that the Department of Hindi in association with the College Library is bringing out a magazine "Kshithij" to mark the occasion of the International Hindi Day.

While reflecting the concerted and committed effort of the Departments, the magazine, with its rich and vibrant texture and diverse thematic engagements, offers a refreshing blend of creative articulation and sensitive perceptions which augurs well for realising our institutional ideals.

I extend my warm greetings and best wishes to the students and the faculty.

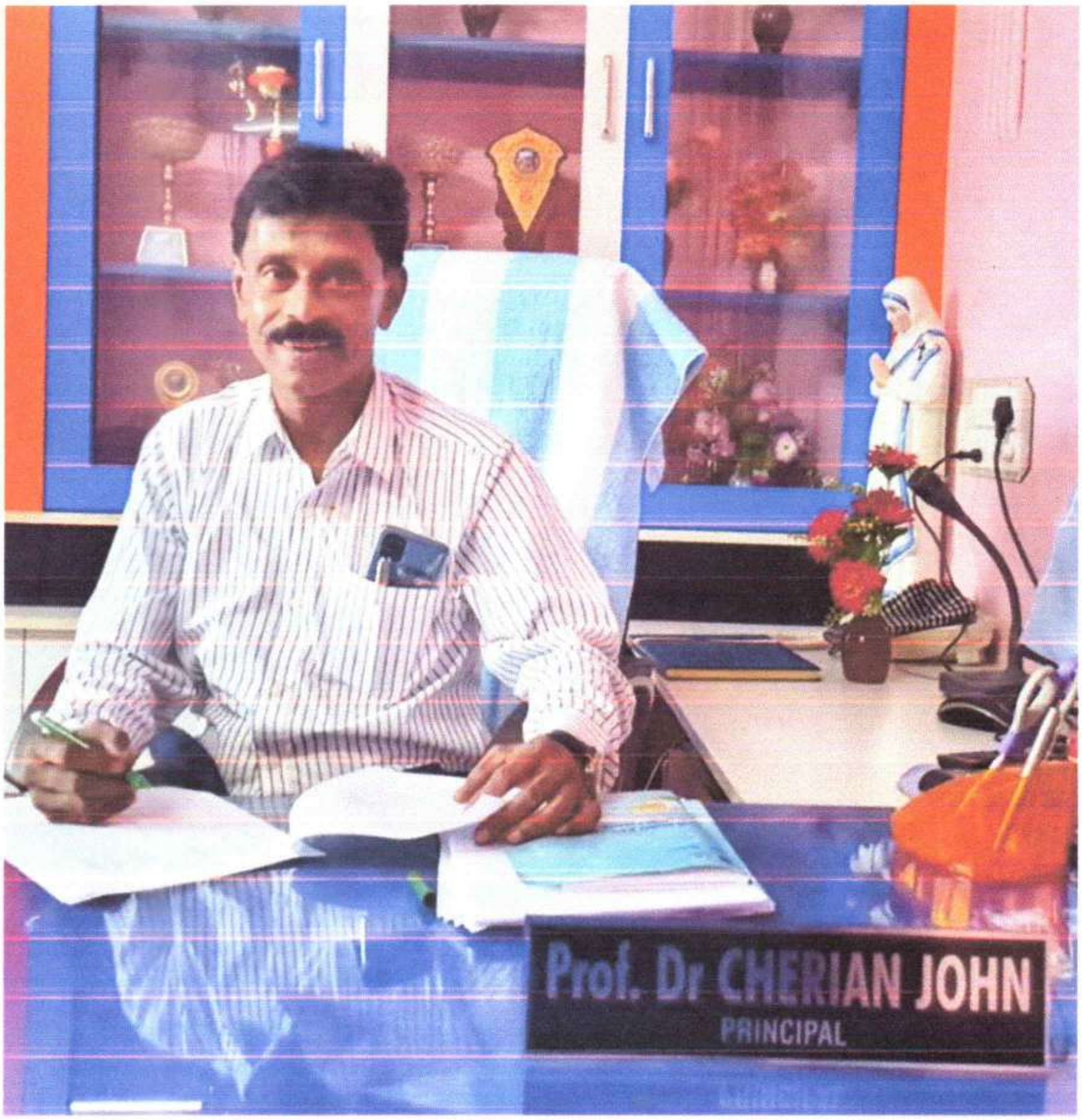
Prof. Dr CHERIAN JOHN
PRINCIPAL

Former Principal's Message

I am happy to note that the Department of Hindi of Mother Theresa College, in collaboration with the college library is bringing out a manuscript magazine in connection with the International Hindi day, 2023. On this occasion I wish all success to the venture which should be an inspiration for others.

Prof. M T Joseph
Former Principal
Mother Theresa College, Nellikad

'क्षितिज' – लेखन का आलोक

'क्षितिज' मतलब वह बिंदु जहाँ आकाश और समुद्र मिलते दिखाई देते है। एक आभासी रेखा जो बहुत दूरी पर आकाश और धरती को जोड़ती हुई नजर आती है। यह 'क्षितिज' कल्पनाओं एवं भावनाओं का मिलन है। ऐसे आभासी रेखाएँ जो जीवन के दृष्टिकोण से उत्पन्न है। ऐसी आशाएँ जो जीवन और सपने के बीच हमे खडा करते है। ऐसी धारणाएँ जो भविष्य की आलोक बनती है। वह आलोक जो सपनो की इंद्रधनुष बुनती है। आपके सन्मुख उस 'क्षितिज' को हम गर्व से प्रस्तुत करते है।

एक हिन्दी प्रेमी और हिन्दी अध्यापिका होने के नाते, केरल जैसे एक अहिन्दी राज्य में हिन्दी के प्रचार प्रसार करना मेरा भाग्य है। केवल एक दूसरी भाषा के तौर पर हिन्दी सीखनेवाले छात्रों मे हिन्दी भाषा का एक सृजनात्मक वातावरण पैदा करना मेरा कर्तव्य है। इस बात पर मुझे गर्व है कि मेरे छात्रों ने अपने सर्जनाशक्ति के अनुकूल हिन्दी मे रचनाएं लिखने का प्रयास किया है।

मैंने अपने सीमित ज्ञान एवं अनुभव के बल पर उनके रचनाओं को संपादन करने का प्रयास किया है। यदि कोई त्रुटियाँ नजर आए तो कृपया हमें क्षमा प्रदान कीजिए। इस उद्यम का प्रथम आशय एवं प्रेरणा प्रदान करनेवाले आदरणीय लाइब्रेरियन अलक्स. वी जी, हिन्दी मे अपने सृजनशक्ति का

प्रयास करनेवाले छात्र - छात्राऐं, प्रस्तुत हस्तलिखित प्रति को अपने हस्तलेखन से संपन्न करनेवाली अंग्रेजी विभाग की छात्रा अनघा बी वी, इस पत्रिका के बनावट में पूर्ण सहयोग देनेवाले अंग्रेजी विभाग के ही छात्र राहुल ए एस एवं पत्रिका के लिए पूर्ण सहयोग एवं प्रेरणा प्रदान करनेवाले प्राचार्य महोदय एम टी जोसफ जी आदि के प्रति असीम आभार व्यक्त करती हूँ।

जय हिन्द। जय हिन्दी।

संपादक

श्रीमति दिव्याराणी के एस
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
मदर तेरेसा कॉलेज, नेल्लिकाट्टु

Coordinator's Message

I am so happy to announce that Department of Hindi, Mother Theresa College is publishing a magazine in association with the Library as part of International Hindi day.

Let the journey KSHITHIJ be mixed with the ingredients of hardwork, cooperation, team spirit, & positive thinking blended in ample measures to cross the bridge and to reach the dream destination - KSHITHIJ.

It adds to my immense pleasure that I too had honourable latitude to be drop in this ocean of ideas.

Let the creativity in you make KSHITHIJ the best.

With warm wishes
Alex V
Librarian

Librarian's Message

Good things remain good only because they are always scarce. I am gratified to know that the department of Hindi in association with the college library is bringing out a magazine "Kshithij" as a part of International Hindi Day.

It is a productive, creative and artistic documentation of our 'talents' whose calibre could fly beyond the horizon. The efforts taken to bring about innovative contents in appreciable.

I wish all the very best to those who pen down their imagination and thoughts into these leaflets to make this initiative a huge success.

सिमी · सी · एस
अध्यक्ष , लैब्ररी

छात्र संपादक

राहुल . एं . एस्
इंग्लिश विभाग

अनघा . बी . वी
इंग्लिश विभाग

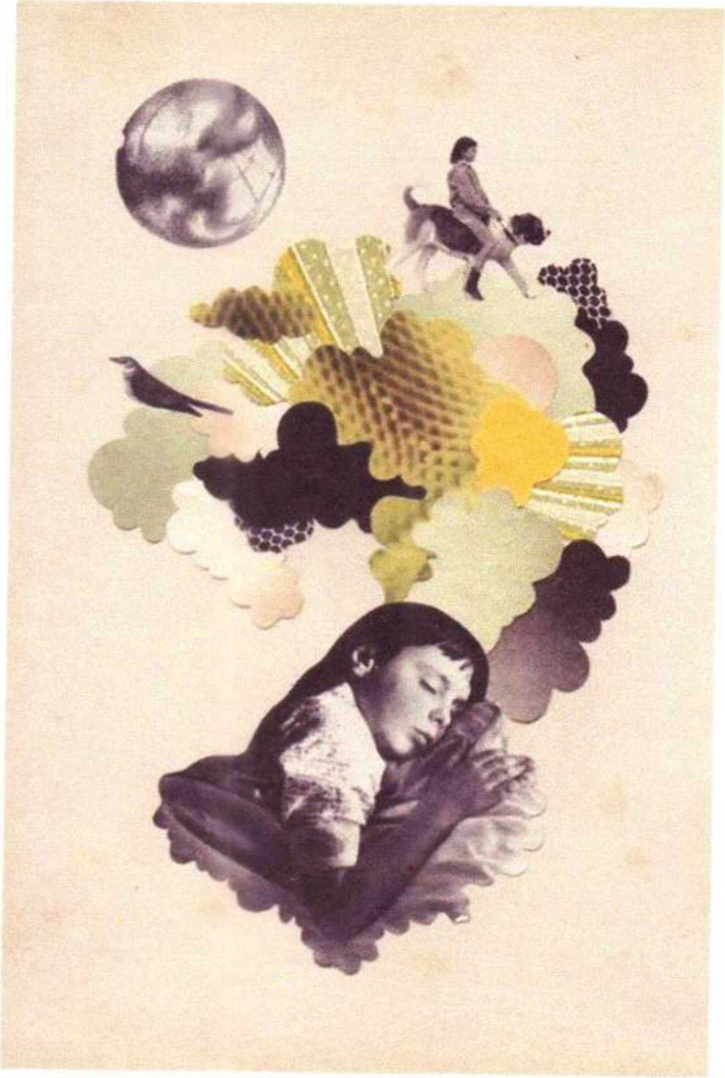

मेरा सपना

मेरा सपना मुझसे दूर नहीं है
लेकिन मैं इसे पकड़ नहीं सकता
मैं इसे पकड़ने की पूरी कोशिश करता हूँ
लेकिन यह मुझसे दूर चला जाता है

मैं अपने सपने को नहीं जानता
लेकिन मुझे एक बात पता है
एक बार मैं अपने सपने को पकड़ लूँगा

मेरा सपना एक टिमटिमाता तारा जैसा है
हम इस तारे को पकड़ नहीं सकते
मेरा सपना ऐसा है
लेकिन एक दिन मुझे मेरा सपना
या मेरा सितारा मिल जाएगा।

मैं अपने सपने को नहीं जानता
लेकिन मैं रोज़ भगवान से प्रार्थना करता हूँ
मेरे सपने केलिए

मैं अपने सपने को ज्यादा महत्व देता हूँ
क्योंकि मैं अपने सपने को नहीं जानता
एक दिन मैं अपने सपने के करीब जाऊँगा।

उस दिन होगा
मेरे जीवन का बहुत यादगार दिन
क्योंकि मैं अपने सपने को ज़्यादा महत्व देता हूँ।

रंजिता . ए . आर
मैथ्स विभाग

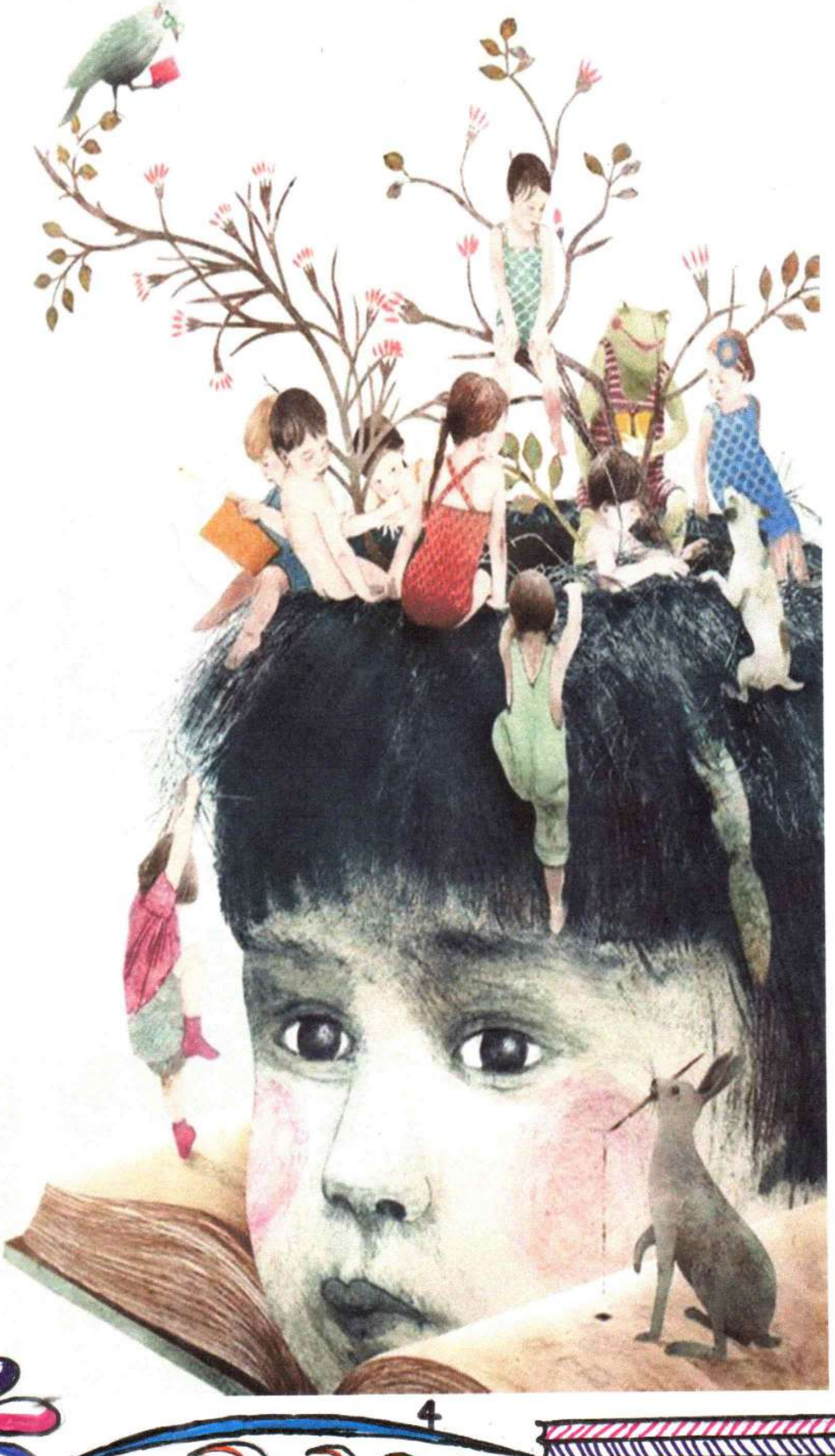

यादें

नहीं आएगी उन दिनों की यादें,
फिर भी उनकेलिए तडप रही हूँ मैं अपने आप।

आज तक सुनी हर शब्दों को
चली गयी मुझसे दूर .....
वापस लाने की कोशिश की
तब पता चला, वापस लाना मुश्किल है।

बचपन की मीठी दोस्ती
बन गयी अच्छी यादें
आज मैं जीता हूँ उन पलों को
सुन्दर यादों में.....

कार्तिका . बी
केमिस्ट्री विभाग

बसंत ऋतु

ऋतुओं में न्यारा हूँ मैं,
ऋतुराज कहते है मुझे।

बसंत के आने पर ही
प्रकृति सुन्दर हो जाती है।
पेडों पर नए - नए कोंपलें
निकल आते है चारों ओर।
उपवनों पर रंग - बिरंगे
फूल - कली खिल जाती है।

बाग - बगीचे सज जाते हैं,
नए रंग, नए रूपों पर
खुशबूदार शीतल हवा -
के झोंकों से ही ये धरती
आनन्द विभोर हो जाती है।

गौरी नंदना के
इंग्लिश विभाग

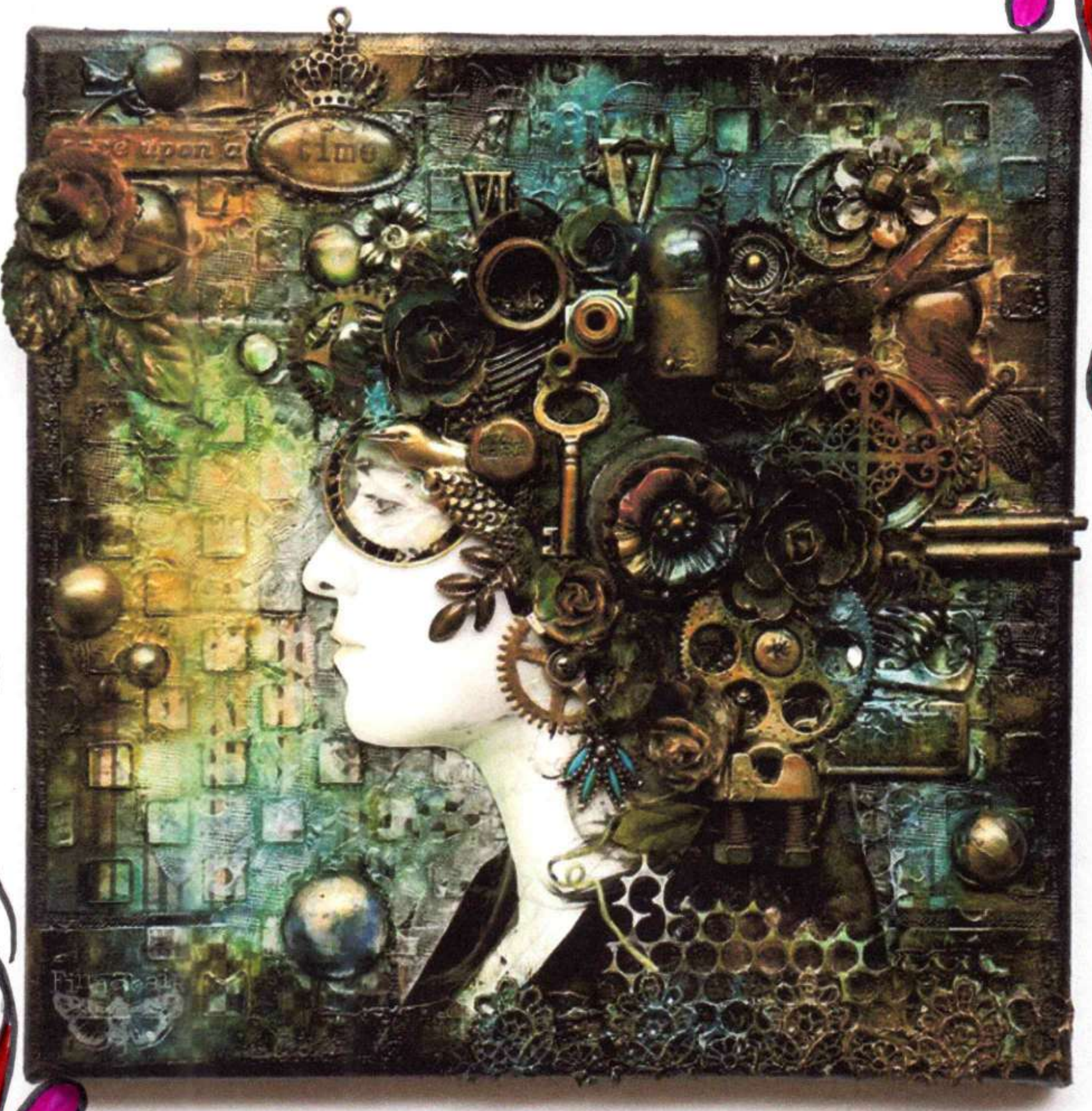
upon a
time

समय

ईश्वर का दिया हुआ,
अनुपम दान है समय।
समय किसी का इन्तजार नहीं करता
समय सागर की लहरें जैसा है।
नष्ट न करना समय को
अमूल्य धन है समय।

ईश्वर का एक वरदान है समय
जिंदगी में समय एक अमूल्य चीज है
नष्ट न कर समय को ॥

गौरी नंदना . के
इंग्लिश विभाग

जज का पहरा

पंजाब मे प्रताप सिंह नामक एक न्यायाधीश थे। एक बार अफीक नाम का एक आदमी प्रताप सिंह से मिलने आया। "जी मेरा एक दुकान है। हाल ही मे, मेरे दुकान से हर रोज चावल चोरी हो रहे हैं।

प्रताप सिंह ने कहा : "ठीक है..... मैं खुद आज रात दुकान का रखवाली करूँगा। अफीक को आश्चर्य हुआ। रात में प्रताप सिंह अफीक के दुकान पर पहुँचा। थोडी देर बाद बाहर आवाज आया। उसने खिडकी से बाहर देखा।

प्रताप सिंह ने वहाँ जिस व्यक्ति को देखा, उसे वह जानता था, नाम है अमीर। वह कुछ दिनों से नौकरी की तलाश मे है। प्रतापसिंह ने आवाज बदलकर अमीर से पूछा : "चावल चुराने आए हो क्या ? मैं भी" एक चोर को दूसरे चोर की मदद करनी चाहिए।

यह सुनकर अमीर ने कहा : "मेरे परिवार की भूख मिटाने केलिए थोडे से चावल काफी है। नौकरी मिली तो यहाँ से लिए गए सारे चावल वापस कर दूंगा। अमीर ने केवल कुछ चावल लिए और वापस चले गए।

अगले दिन जो हुआ उसे सुनकर अफीक निराश हो गये। फिर उसने पूछा कि प्रतापसिंह ने चोर को क्यों नही पकडा ? प्रतापसिंह ने कहा कि अगर उसे नौकरी मिल जाए तो मुझे बताए कि क्या वह अपनी बात रख सकते हैं कि नही ?

अमीर को नौकरी दिलाने के लिए जो कुछ कर सकते थे, वह सब प्रतापसिंह ने किया। अमीर ने थोड़ा - थोड़ा करके चावल दूकान नौकरी मिलने के बाद लौटाना शुरु किया। प्रताप सिंह ने गुप्त रूप से अमीर की परीक्षा लेने केलिए इसे विफल करने का प्रयास किया। लेकिन अमीर बिना किसी रुकावट के कर्ज चुकाते रहे।

सारा खोया हुआ चावल वापस मिलने के बाद अफीक ने शिकायत वापस ले ली। आखिरी दिन जब अमीर उस दूकान में पहुँचे तो वहाँ प्रताप सिंह का एक संदेश उसका इंतजार कर रहा था।

आतिरा प्रदीप - पी - बी
केमिस्ट्री विभाग

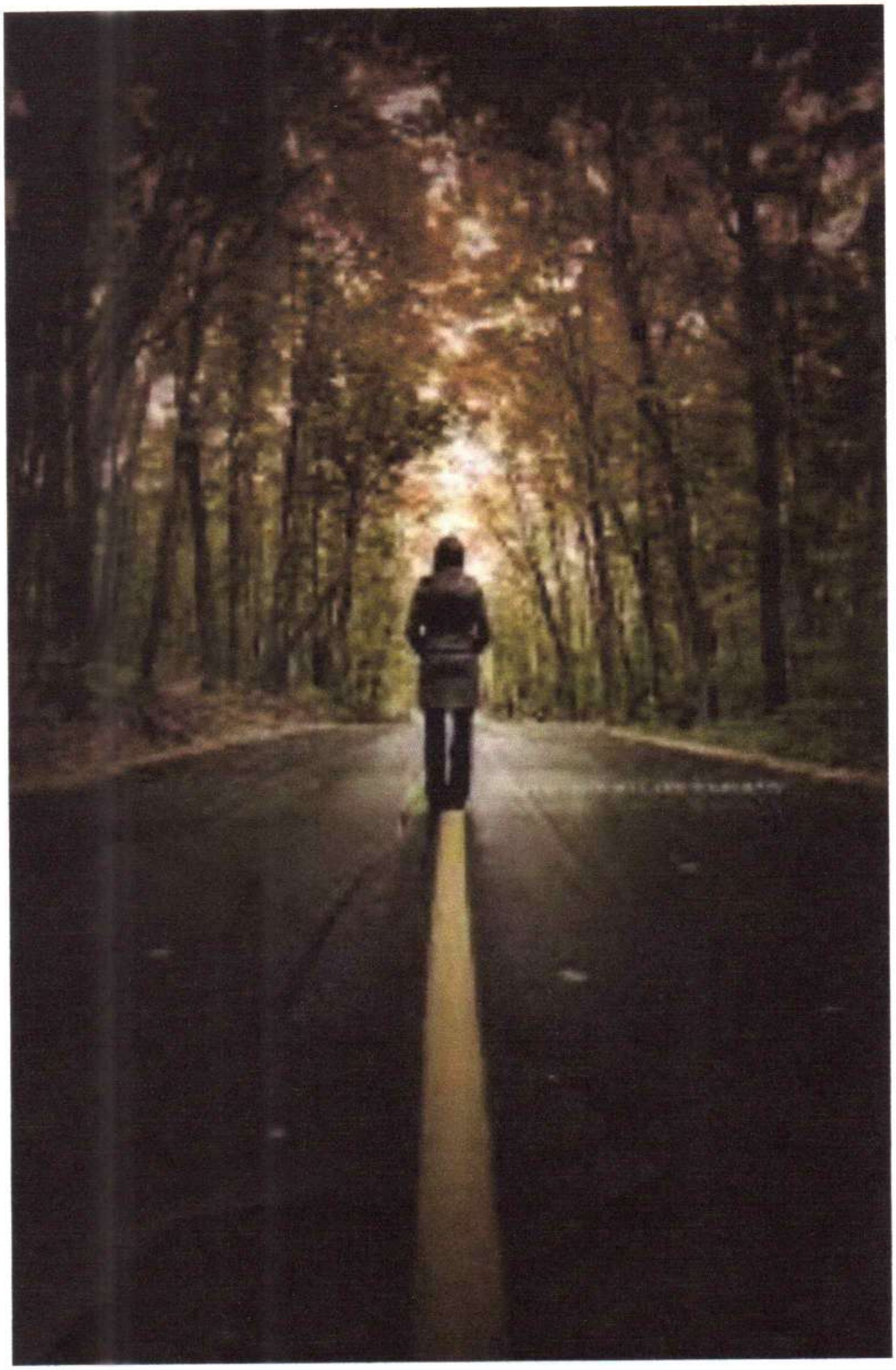

कल्पना यात्रा

आनंद जो कल्पना को भर देता है
हृषमित जो जीवन की प्रेरणा, आशा और
प्रभाव बन जाती हैं।
मन के सागर में बरसते बारिश
एक हकीकत जो भावनाओं से ओतप्रोत है
भावनात्मक मार्ग जो भावनाओं की ओर
ले जाते है।

शांत प्रफुल्लित, उस समय का ज्ञान जो
गर्मी के रूप में मन में बसता है
एक अनंतता जो मन को अनुभवों से भर देती है
यह कोई कल्पना नहीं है, यह कोई सपना नहीं है
मन में उमडती इच्छाओं की भीड है
यह कल्पना की यात्रा है।

हरिप्रिया · आर
केमिस्ट्री विभाग

प्रकृति

हरी - हरी खेतों में
बरस रहे हैं बूँदें
खुशी - खुशी से आया सावन
भर गया मेरा आँगन ।

ऐसा लग रहा है जैसे
मन की कलियाँ खिल गयी वैसे
ऐसा कि आया वसंत
लेके फूलों का जश्न ॥

धूप से प्यारी मेरे तन को
बूँदों ने दी ऐसी आँडाई
कूद पडा मेरा तनमन
लगता है मैं दूँ एक दामन ।

यह संसार है कितना सुंदर
लेकिन लोग नहीं उतने अकलमंद
यही है एक निवेदन
न करें प्रकृति का शोषण ॥

हरि शंकर . के . एन
मैथ्स विभाग

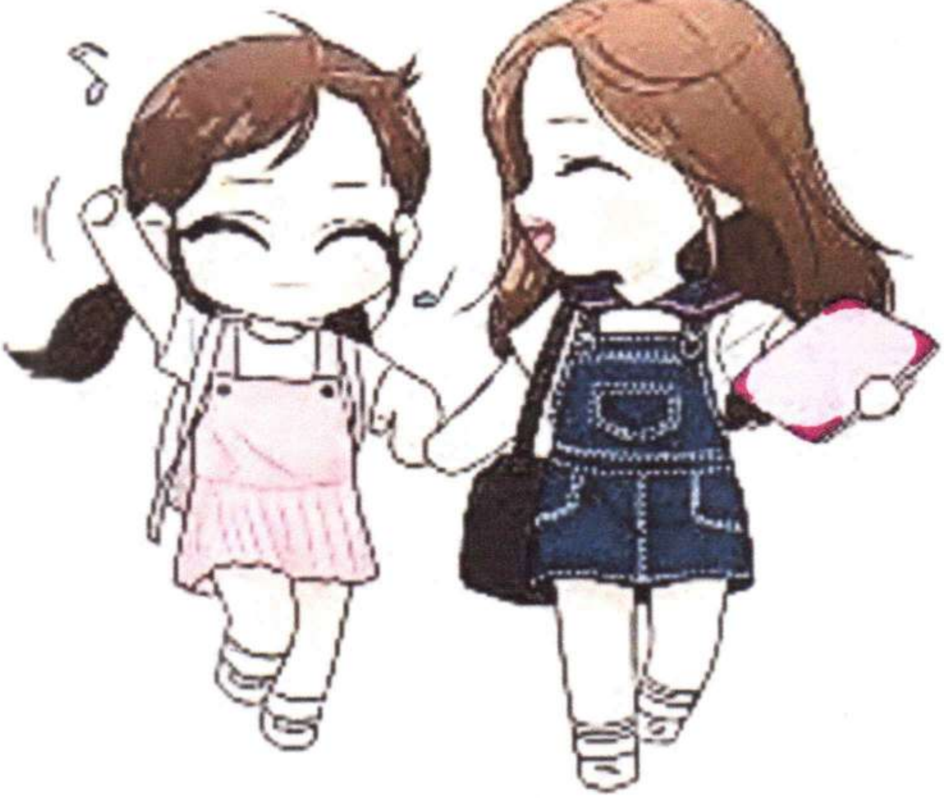

प्रिय मित्र

क्या तुम वह फूल हो जो मुस्कान से खिलता है ?
क्या यह पूर्णिमा है जो आँखों में चमकती है ?
शब्दों के मोतियों सी हो तुम,
रात में तारे सी है तुम्हारी मोहब्बत

भावामृत की तरह जो हृदय में उतरता है,
भजन जो आत्मा में सांस लेता है।
आपकी आत्मा समझ के सागर में डूबी हुई है,
और जब यह अधूरा लगता है तो, आप मेरे पास आते हैं।
आप मेरे बगल में दिलासा देने वाले है।

आप मेरे रास्ते में आनेवाली बाधाओं को दूर करते हैं
तुम मेरे जीवन में पडनेवाली प्रेम की वर्षा हो
आप मेरे आत्मा में ध्वनि, माधुर्य और
अमृत सी पिघल जाते हैं।
तुम कौन हो, प्रिय मित्र ?

राधिका . एं . सि
केमिस्ट्री विभाग

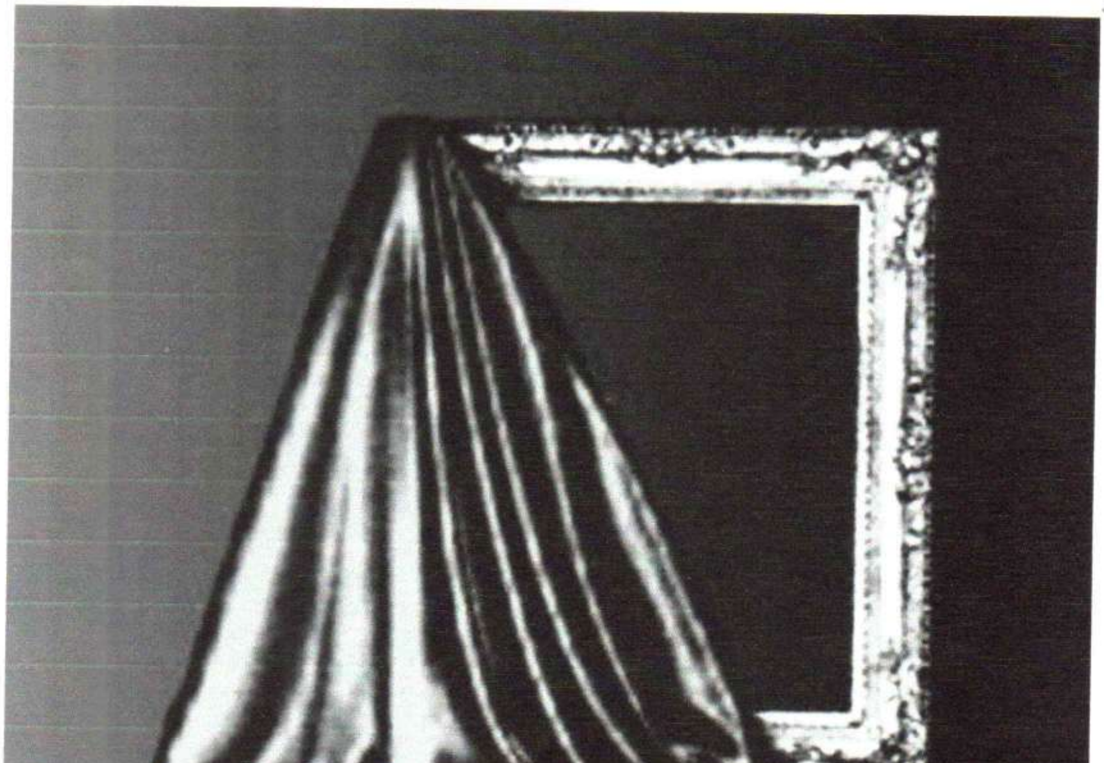

लिपटा हुआ दर्पण

देखो ... ! वह है लिपटा हुआ दर्पण ।
काले कपडे से लिपटा हुआ दर्पण ।।
कौन उस दर्पण को लिपटाया है ?
कौन है उस दर्पण का ऐसा मजाक बनाया ?

देखो ... । पास ही बैठा है वह बच्चा ।
दर्पण के पास बैठकर रोता रहा वह बच्चा ।।
क्यों वह अपने चेहरे को घुडनो में झुकाना चाहा
क्यों वह अपना परछाई फिर से न देखना चाहा ?

राहुल . एं . एस
इंग्लिश विभाग

मेरा भारत

आप इसे और कहाँ पा सकते है ?
मटर के दाने जैसी खूबसूरत झील।
ताजमहल जो दुनिया के अजूबा है।
दहाड़ते शेरों से भरे जंगल।
शांत तटों का अतहीन फैलाव।
या फिर हिमालय की बर्फीली चोटियां।

रक्षाबंधन और होली का जादुई स्पर्श
दुर्गाजी की पूजा और महानवमी का उत्साह।
प्रसिद्ध लाल किला, पवित्र गंगा और कुंभमेला
कुल्लू में सबकी खूबसूरती ॥

देश का वर्णन करने के लिए शब्द पर्याप्त नही है।
यहाँ परंपरा, संस्कृति और कला है,
जो समय - समय पर सौंपी जाती रहती है।
मनुष्यों के मन को मोह लेने वाली भारत,
यह मेरी भारत है ॥

सोना · एस · आर
केमिस्ट्री विभाग

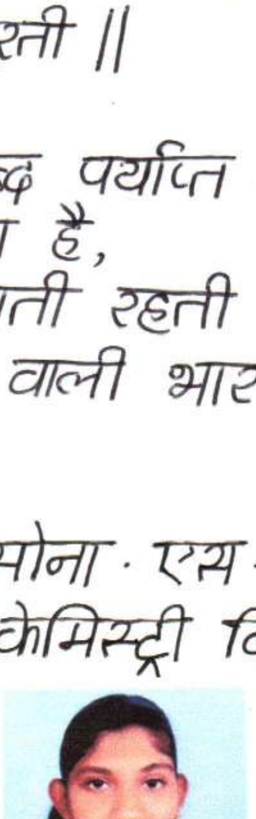

मेरा साथी

तुमसे मिलकर मुझे ऐसा लगा कि,
जैसे अपना कोई आ गई है।
मेरी आँखों में सपना लाए,
मन में हलचल हुई है, फिर भी चैन ॥

तेरी साँसों की धुन में धड़कती है जिगर,
सोचा कि प्यार ही जीवन है,
प्यार से भी जीना है।
साथियों के बीच-बीच में मित्रता ही प्यार है ॥

प्यार से रोकने पर रुक ही जाते हैं
स्वार्थ-भाव ही मिट जाती है।
इसलिए जियो साथियों मित्रतापूर्वक
अपनी-अपनी आखों में प्यार और मित्रता भरकर ॥

अनघा. बी. वी
इंग्लिश विभाग

खो गया

दिन गर्म था, दिन शांत था,
आशा कर रहे है, हताशा में उम्मीद कर रहे हैं,
उनके छोटे स्वर्ग को वापस जीवन में लाने केलिए।
मैं तो अपनी आरामकुरसी मे बैंठ जाता हूँ,
भौंचक्का रह जाता हूँ,
और भावनाओं की भूलभुलैया मेरी आत्मा को जगाती है।
मैं सुरक्षित और स्वस्थ हूँ, लेकिन मेरे साथी,
अपने दिल और आत्मा को,
एक साथ रखने केलिए संघर्ष करें।
मेरी आत्मा आहत है,
मेरा मस्तिष्क स्तब्ध है,
लेकिन कभी बेजान विचार मेरे दिमाग में नहीं आते।

अनघा · बी · वी
इंग्लिश विभाग

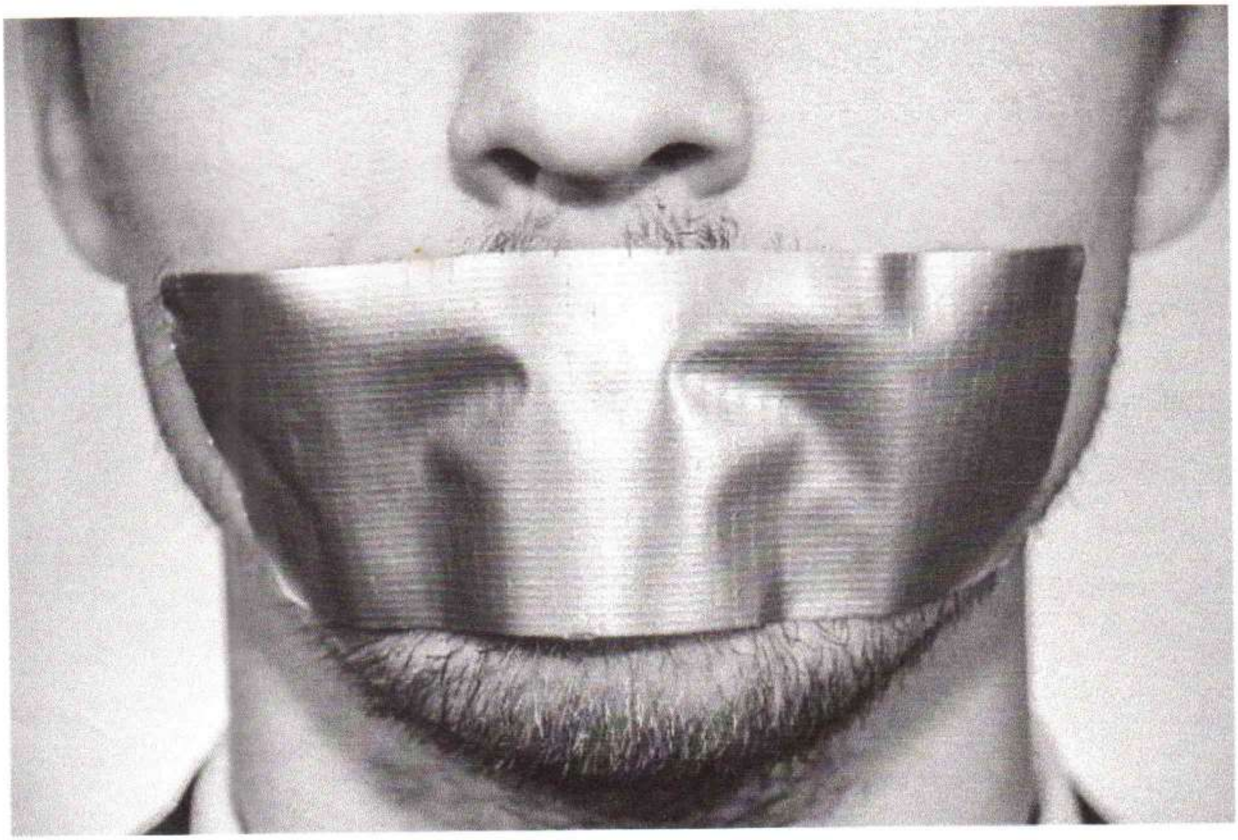

अनकहा सच

अकेलापन से भरा हुआ
रेत का महल जिसमें मैं फंस गयी हूँ।
नाम क्या है आपका ?
आपके पास जाने केलिए क्या जगह है ?
मैंने तुम्हें देखा जो इस बगीचे में छिपा हुआ था।
मैं जानती हूँ कि आपकी सभी हरकतें वास्तविक हैं।
आपका हाथ जो एक नीले फूल को तोडता है
मैं इसे पकड़ना चाहती हूँ लेकिन यह मेरा भाग्य है।
मुस्कुराओ मत, मुझपर प्रकाश डालो,
मैं तुम्हारा करीब नहीं आ सकती इसलिए ऐसा कोई
नाम नहीं है, जिससे तुम मुझे बुला सको।
लेकिन मैं जानती हूँ, मैं ऐसा कभी नहीं कर सकती
मैं केवल छुप सकती हूँ, क्योंकि मैं बदसूरत हूँ।
मुझे डर लग रही है, मैं दयनीय हूँ, मैं बहुत डरी हुई हूँ
अंत में तुम भी मुझे छोड देंगे
मैं फिर से अपने आपसे मिलना चाहती हूँ।
मैं रो रही हूँ
टूट कर गायब हो गयी हूँ।
इस रेत के महल में अकेला पड गयी हूँ
मैं टूटे हुए नकाब को देखती हूँ
और मैं अब भी तुम्हें चाहती हूँ
मैं अब भी तुम्हें चाहती हूँ।

लक्ष्मी राज · एन

फिज़िक्स विभाग

shu-littlebit.com (C) SHU/GATEN PROJECT INC.

सपने देखनेवाली

देखो हम कौन हैं, हम सपने देखनेवाले है
हम इसे पूरा करेंगे क्योंकि हम इसपर विश्वास करते हैं
देखो हम कौन हैं, हम सपने देखनेवाले है
हम इसे पूरा करेंगे क्योंकि हम इसे देख सकते है।
यहाँ वहाँ वे हैं, जो जुनून रखते हैं।
सम्मान, ओह हां यहाँ से
वे हैं जो कल्पना कर सकते है
अगर सम्मान देते हैं।
सब इकट्ठा करो, मेरी तरफ देखो
प्यार का सम्मान करें, एक ही रास्ता है।
आप आना चाहते हैं ? मेरे साथ आओ
दरवाज़ा अब हर दिन खुला है।
यह एक से दो, मेरे दिन में मिल रहे है
यह हम क्या करते हैं ? हम कैसे करते हैं ?
देखो हम कौन है, हम सपने देखनेवाले है
हम इसे पूरा करेंगे क्योंकि हमें इसपर विश्वास हैं।

लक्ष्मी राज एन
फिज़िक्स विभाग

दोस्ती

दोस्ती ही मेरेलिए दुनिया है।
प्यार भरी दोस्ती सब केलिए एक आश्रय है ॥
हर हाल में हाथ पकडकर मुझे ले जाते हैं।
मेरे प्यारे दोस्त !
अशांति से भरे दुनिया को
प्यार करने का इशारा दिया।
मेरे प्यारे दोस्तों
जीना चाहती हूँ एक बार फिर
उन लोगों के साथ।

अंजली . ए
केमिस्ट्री विभाग

नदियों की दुनिया

ऊँचे पर्वत शिखरों से
बहती नदी की धारा
जीवन - दायिनी बनकर
नदियों की दुनिया में

खेत स्वच्छ प्रवाहों से
गीला करती वसुधा को
हरियाली लाती चारों ओर
रोक न पाती एक पल भी !

नदी तट पर रहनेवाले
सभ्य शिष्ट - शिक्षित हो तुम
विनती है हर मानव से
दूषित न करना नदियों को !

कृष्णलेखा . एस . बि
केमिस्ट्री विभाग

समय वर्ष

आप लोगों का इंतजार करें
आप हमेशा की तरह इस साल आए
लेकिन एक दिन तुम आए और
वापस नहीं गए और बारिश हो गई।
जब तक आपकी उम्मीद खत्म नहीं हो जाती
आपने पृथ्वी को भर दिया।
यहाँ तक कि जिन्होंने तुमसे प्यार किया
उन्होंने भी तुम्हें ठुकरा दिया।
तू ने उन लोगों को कष्ट दिया जो तेरी
बाट जोहते थे।
हालाँकि जो आपको प्रोत्साहित करते हैं
तूने उन लोगों को मुसीबत में डाल दिया है
जो तेरा इंतजार कर रहे थे।

दीप्ती · आर · एं
केमिस्ट्री विभाग

हैलन केल्लर

हमें अपने छोटे - छोटे दिक्कतों को अपने काम में रुकावट नहीं बनने देना चाहिए। क्योंकि इससे हमें, बाद में पछताने के अलावा कुछ नहीं कर सकते। हम छोटी - छोटी चुनौतियों के बहाने बनाते रहते हैं जो हमारी बहुत बडी कमज़ोरी होती है।

हेलन केल्लर एक प्रमुख लेखिका, शिक्षिका और एक प्रसिद्ध राजनीतिक कार्यकर्ता थी। हेलन केल्लर का जन्म अमेरिका के अलाबामा में 27 जून 1880 में हुआ था। हेलन केल्लर के पिता का नाम आर्थर केलर था, जो आर्मी के सदस्य थे और माता का नाम केट अडम्स था। हेलन केल्लर ने अमेरिका के एक परिवार में स्वस्थ जन्म लिया था और उसकी जिंदगी सभी बच्चों की तरह अच्छी चल रही थी। लेकिन 19 महीने की उम्र में हेलन को एक ऐसी बीमारी हुई जिसका कोई डॉक्टर पता ही नहीं लगा पाया।

उस बीमारी की वजह से हेलन केल्लर ने अपनी सुनने की शक्ति और आँख की रोशनी खो दी जिससे हेलन के माता - पिता को बहुत परेशानियाँ उठानी पडी। उसके बाद हेलन के माता - पिता उनकेलिए एक शिक्षक ढूँढना शुरु किया। जो हेलन को आस - पास की चीजों को जानना और पहचाना सिखा सके।

बहुत कोशिश करने के बाद हेलन को ७ साल की उम्र में शिक्षक के रूप मे एनी सुलिवेन मिली। ऐनी सुलिवेन ने हेलन के साथ दोस्ती की।

हेलन, केल्लर ने सन् 1902 में 'मेरे जीवन की कहानी' नामक पुस्तक प्रकाशित की थी। हेलन ने अपने सफलता का श्रेय अपने शिक्षक और दोस्त ऐनी सुलिवेन को दिया। हेलन ने अपने कई सारे भाषण में ये बताया है कि मेरे चारो ओर के अँधेरे को उजाला करने वाली ऐनी सुलिवेन हैं और उन्हें मैं दिल से धन्यवाद अदा करती हूँ।

हेलन के बारे में जानकर सभी का ये एहसास जरूर होता है कि इसकी समस्या के सामने मेरी समस्या तो कुछ भी नहीं है।

लक्ष्मी . ए . एस
केमिस्ट्री विभाग

नाचने केलिए इजाज़त नहीं चाहिए

रात सोने के समय, ध्वनि का आरंभ हुआ।
हमारे दुखी जिंदगी में, नाचने की खुशी मनाओ
क्योंकि हमको नाचने की इजाज़त नहीं चाहिए।
मैं नाचना चाहता हूँ
गाना मेरे मन में घूमती रहती है
कोई हमें रोके नहीं।
मैं नाचना चाहता हूँ
गाना मेरे मन में मती रहती है
कोई हमें रोके नहीं।
जो एक घटना बनाओ
और ज़िंदा रहो अपने नियम कानून से
मनाओ उस जिंदगी को अपने हिसाब से
नाचेंगी एक बेवकूफ की तरह।
हमें चिंता करने की जरूरत नहीं
क्योंकि गिरने की समय,
मुझे पता है कैसे उठना।
इसलिए डरने का कोई मतलब नहीं है
और नाचने केलिए आपको इजाज़त नहीं चाहिए।

अंजना· ए · आर
फिज़िक्स विभाग

संसार से नफ़रत

मुझे इस संसार में नहीं रहना,
क्योंकि यह संसार झूठ से बना है।
यह संसार बुरा है,
मुझे इस संसार से नफरत है॥

मैं उस संसार में रहना चाहती हूँ,
जो कि सारे सच थे।
जो कि प्रकृति से बना था
मुझे वह संसार से प्यार है॥

मुझे उस संसार में नहीं रहना,
क्योंकि ये संसार बेकार है।
ये संसार शैतान की खुशियों से बना है,
मुझे इस संसार से नफरत है॥

मैं उस संसार में रहना चाहती हूँ,
जो सभी केलिए पूर्ण उपयोगी है।
वह संसार हर एक की खुशी केलिए बनाया
गया था, मुझे वह संसार से प्यार है॥

लक्ष्मी राज · एन
फिज़िक्स विभाग

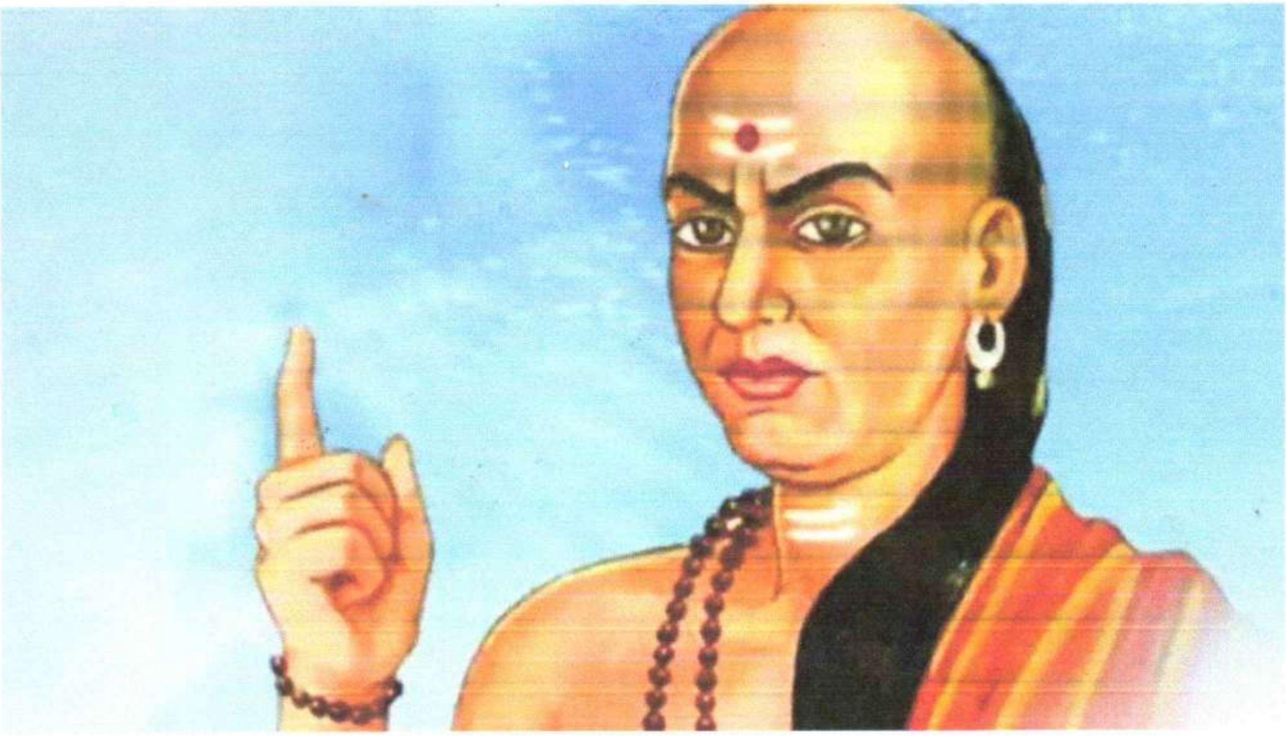

एक

मेरा तो एक ही ज़िन्दगी है पर
करने को बहुत कुछ है।

मेरा एक ही धर्म है पर मुझे
वह बहुत कुछ सिखाती है।

मुझे एक ही विश्वास है पर वह
विश्वास मुझे बहुत आगे ले जाती है।

मुझे दुनिया को देखने का एक ही नजरिया है
पर मुझे बहुत विश्वास है कि वह मुझे सफल बनाएगा।

मुझे जिंदगी में एक ही लक्ष्य है
क्यों कि वह मुझे जिंदगी जीने की ताकत देती है।

संदीप . जे
इकोनॉमिक्स विभाग

जीवन यात्रा

जीवन एक अवसर है, इसका लाभ उठाएं।
जीवन सौंदर्य है, इसे खराब मत करो।
जीवन एक सपना है, इसे साकार करों।
जीवन एक चुन्नौती है, इसका सामना करों।

जीवन एक प्रतिज्ञा है इसे निभाएं।
जीवन उदास है इसे दूर करो।
जीवन एक संघर्ष है, इसके आगे बढ़ाते रहो।
जीवन एक त्रासदी है, इसे स्वीकार करो।

जीवन एक साहसिकता है, हिम्मत से आगे बढ़ते रहे।
जीवन एक वरदान है, इसे ग्रहण करो।
जीवन एक लक्ष्य है, इसे पूरा करो
जीवन बहुत कीमती है, इसे बर्बाद मत करो।

आरती· एस· एस
केमिस्ट्री विभाग

Anakha

Anakha

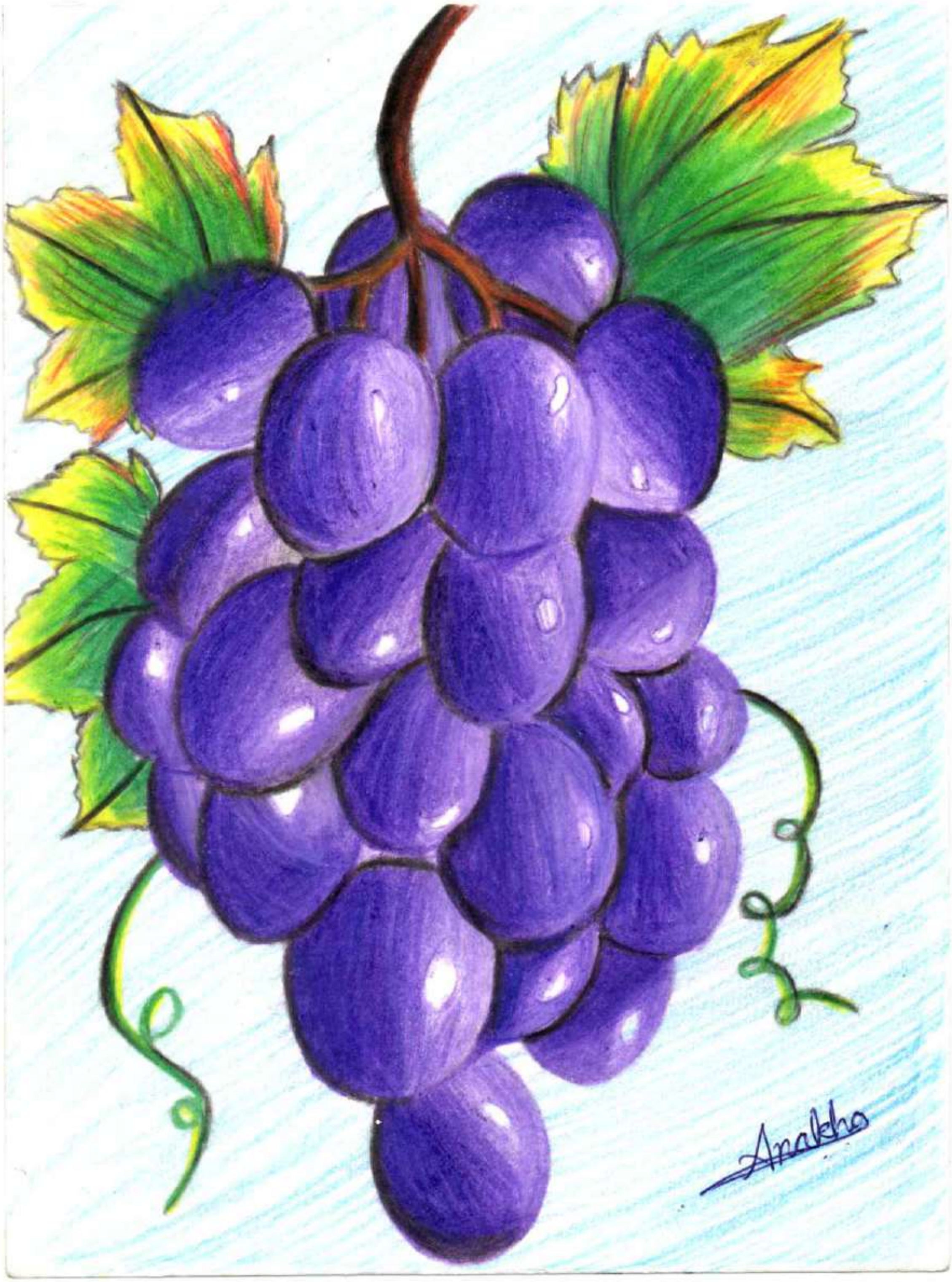
Anakha

अनघा . बी . वी
इंग्लिश विभाग

अपने भीतर का घायल बच्चा

राहुल · ए · एस
इंग्लिश विभाग